SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व - 2

अध्याय - 3

भूमंडलीकृत विश्व का बनना

भाग - 2

विजय, बीमारी और व्यापार

By : Rakesh Mohan Sharma

GSSS

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

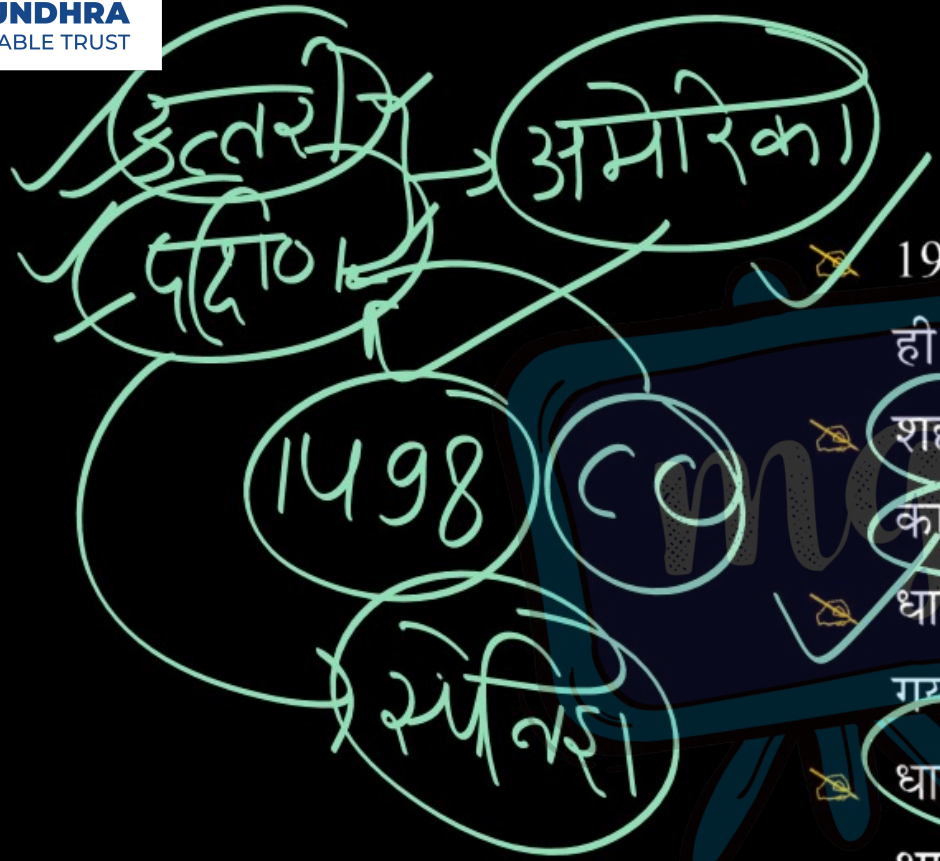

- 19वीं सदी तक यूरोप में गरीबी और भूख का ही साम्राज्य था।
- शहरों में बेहिसाब भीड़ थी और बीमारियों का बोलबाला था।
- धार्मिक टकराव होते रहना एक आम बात हो गयी थी।
- धार्मिक असंतुष्टों को कड़ा दंड दिया जाता था।

- इन सब कारणों से यूरोप से हजारों लोग भागकर अमेरिका जाने लगे।
- 18वीं सदी तक यूरोपीय लोग अफ्रीका से गुलामों को पकड़ कर अमेरिका लाते थे फिर उनको काम में झोंक कर यूरोपीय बाज़ारों के लिए कपास और चीनी का उत्पादन करवाते थे।
- 18वीं सदी का काफी समय बीत जाने के बाद भी चीन और भारत को दुनिया के सबसे धनी देशों में गिना जाता था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

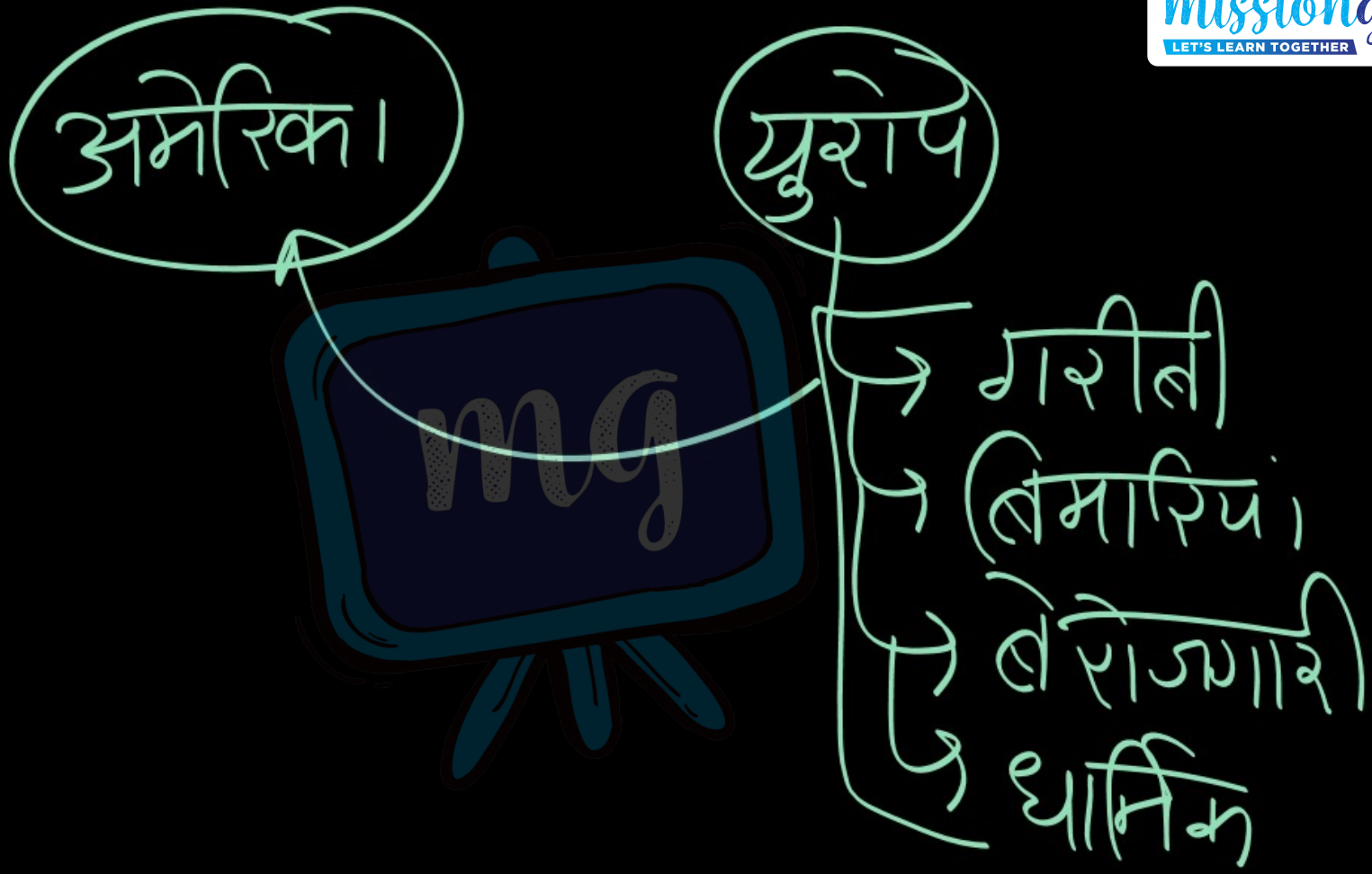

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. 19वी सदी मे युरोप से अमेरिका मे पलायन के क्या कारण हो सकते है?



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसने विदेशी संबंधों को भी नये ढर्रे में ड
  दिया।
- अर्थशास्त्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक विनिमय में 3 तरह के गतियों या प्रवाहों का उल्लेख किया है। ये प्रवाह हैं :-

1. व्यापार
2. श्रम
3. पूँजी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

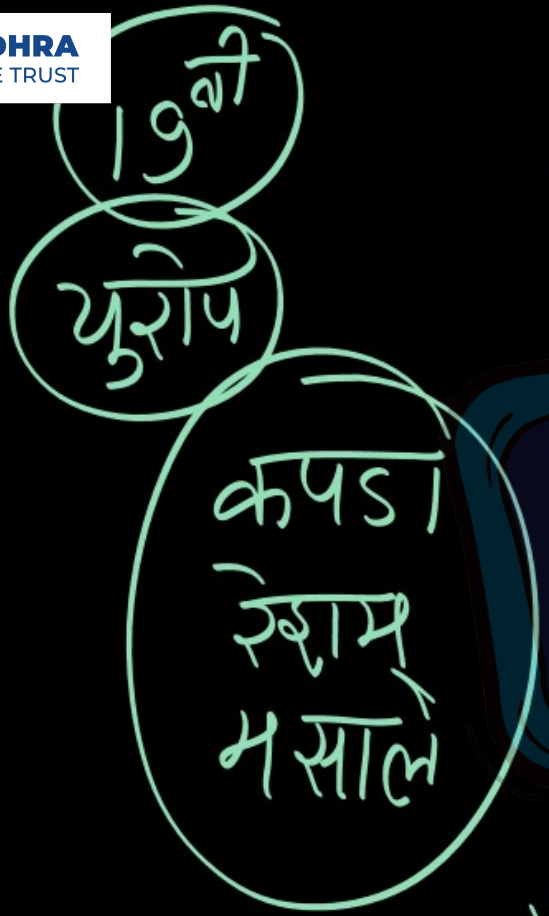

1. **व्यापार :-** पहला प्रवाह व्यापार का होता है। जो 19वीं सदी में मुख्य रूप से वस्तुओं (जैसे - कपड़ा या गेहूँ आदि) के व्यापार तक ही सीमित था।
2. **श्रम :-** दूसरा प्रवाह श्रम का है। जिसमें लोग काम या रोजगार की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं।
3. **पूँजी :-** तीसरा प्रवाह पूँजी का होता है। जिसे अल्प या दीर्घ अवधि के लिए दूर-दराज के इलाकों में निवेश कर दिया जाता है।

ये तीनों तरह के प्रवाह एक दूसरे से जुड़े हुए थे तथा लोगों के जीवन को प्रभावित करते थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

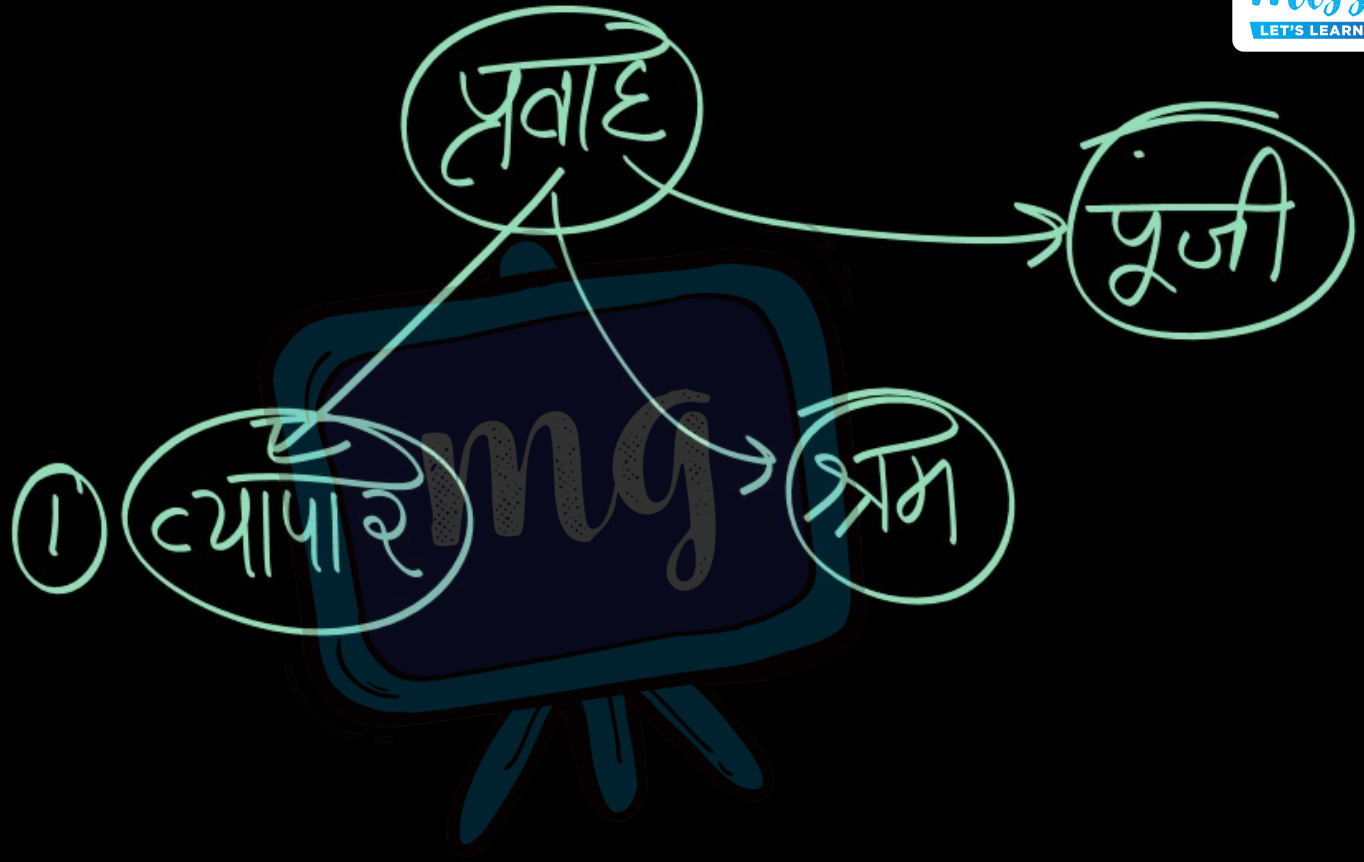

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

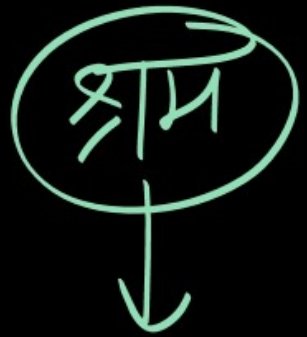

- कभी-कभी इन कारकों के बीच मौजूद सम्बन्ध टूट भी जाते थे। जैसे - वस्तुओं या पूंजी की आवाजाही के मुकाबले श्रमिकों की आवाजाही पर प्रायः ज्यादा शर्तें और बंदिशें लगाई जाती थीं।
- फिर भी यदि हम इन तीनों प्रवाहों का एक साथ अध्ययन करें तो 19वीं सदी की विश्व अर्थव्यवस्था को ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

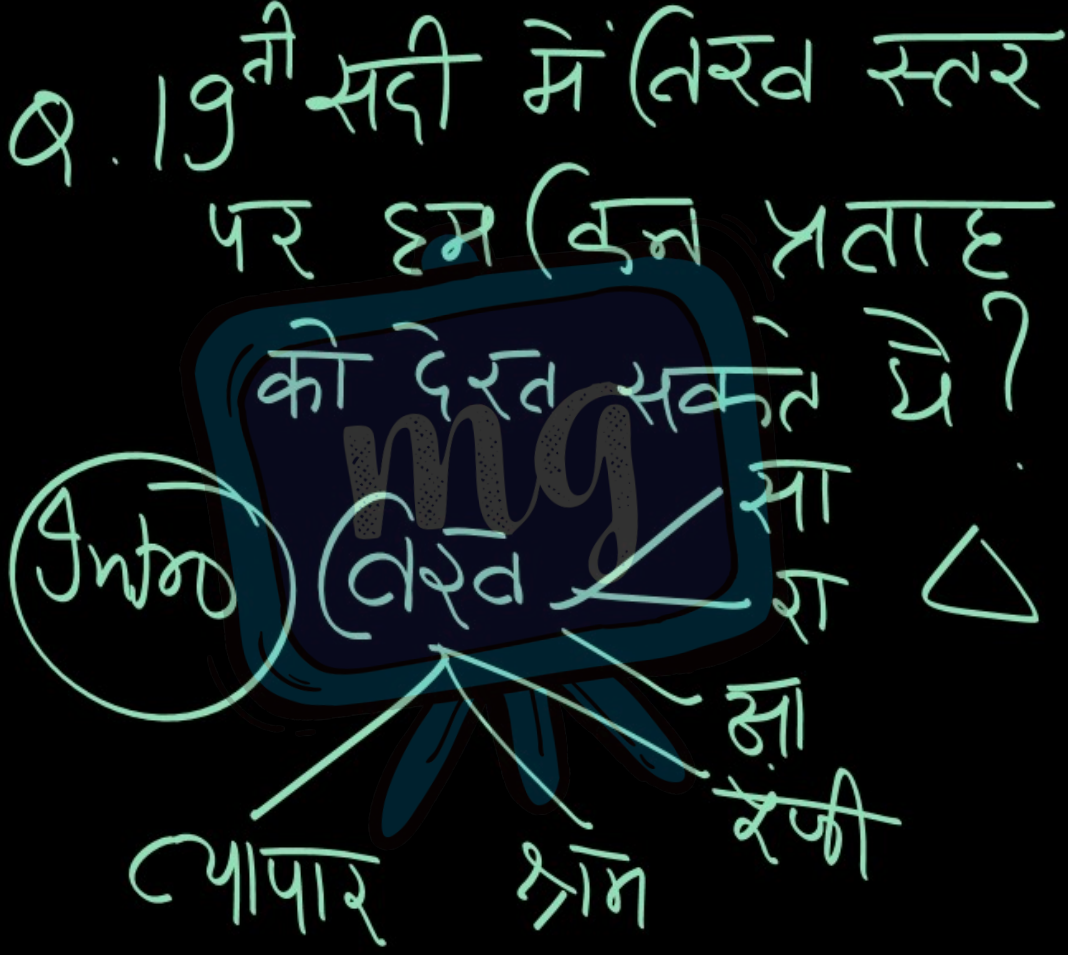

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

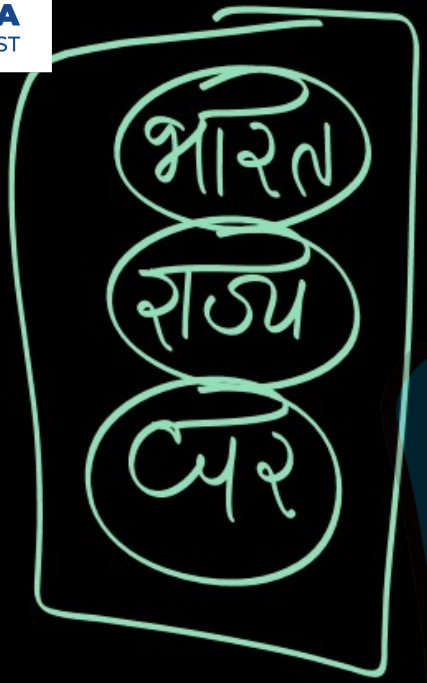

विश्व अर्थव्यवस्था का उदय

- हम जानते हैं कि सामान्य रूप से सभी देश भोजन के मामले में आत्मनिर्भर होने का प्रयास करते रहते हैं।
- यद्यपि 19वीं सदी के ब्रिटेन की बात अलग ही थी।
- यदि उस समय ब्रिटेन खाद्य आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलता तो वहां के लोगों का जीवनस्तर गिर जाता और सामाजिक तनाव फैलता।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ब्रिटेन स्थिति

इस आशंका का कारण :-

- 18वीं सदी के आखिरी दशकों में ब्रिटेन की आबादी तेजी से बढ़ने लगी थी जिससे देश में भोजन की माँग भी बढ़ी।
- जैसे-जैसे शहर फैले और उद्योगों का विकास हुआ वैसे-वैसे ही कृषि उत्पादों की मांग भी बढ़ने लगी।
- कृषि उत्पाद मंहगे होने लगे।
- दूसरी तरफ बड़े भूस्वामियों के दबाव में सरकार ने मक्का के आयात पर भी पाबंदी लगा दी थी।

- मक्का पर पाबंदी लगाये जाने वाले इस कानून को 'कॉर्न लॉ' कहा जाता था।
- तब खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों से परेशान उद्योगपतियों और शहरी बाशिंदों ने सरकार को कॉर्न लॉ को फौरन समाप्त करने को मजबूर कर दिया।
- कॉर्न लॉ के निरस्त हो जाने के बाद बहुत कम कीमत पर खाद्य पदार्थों का आयात किया जाने लगा।
- आयतित खाद्य पदार्थों की कीमत ब्रिटेन में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों से भी कम होती थी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- फलस्वरूप ब्रिटिश किसानों की हालत बिगड़ने लगी। क्योंकि वे आयतित माल की कीमतों का मुकाबला नहीं कर सकते थे।
- विशाल भूभागों पर खेती बंद हो गई।
- हजारों लोग बेरोजगार हो गये।
- लोग गांवों से उजड़ कर शहरों में या दूसरे देशों में जाने लगे।
- जब खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट आई तो ब्रिटेन में उनका उपभोग बढ़ गया।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

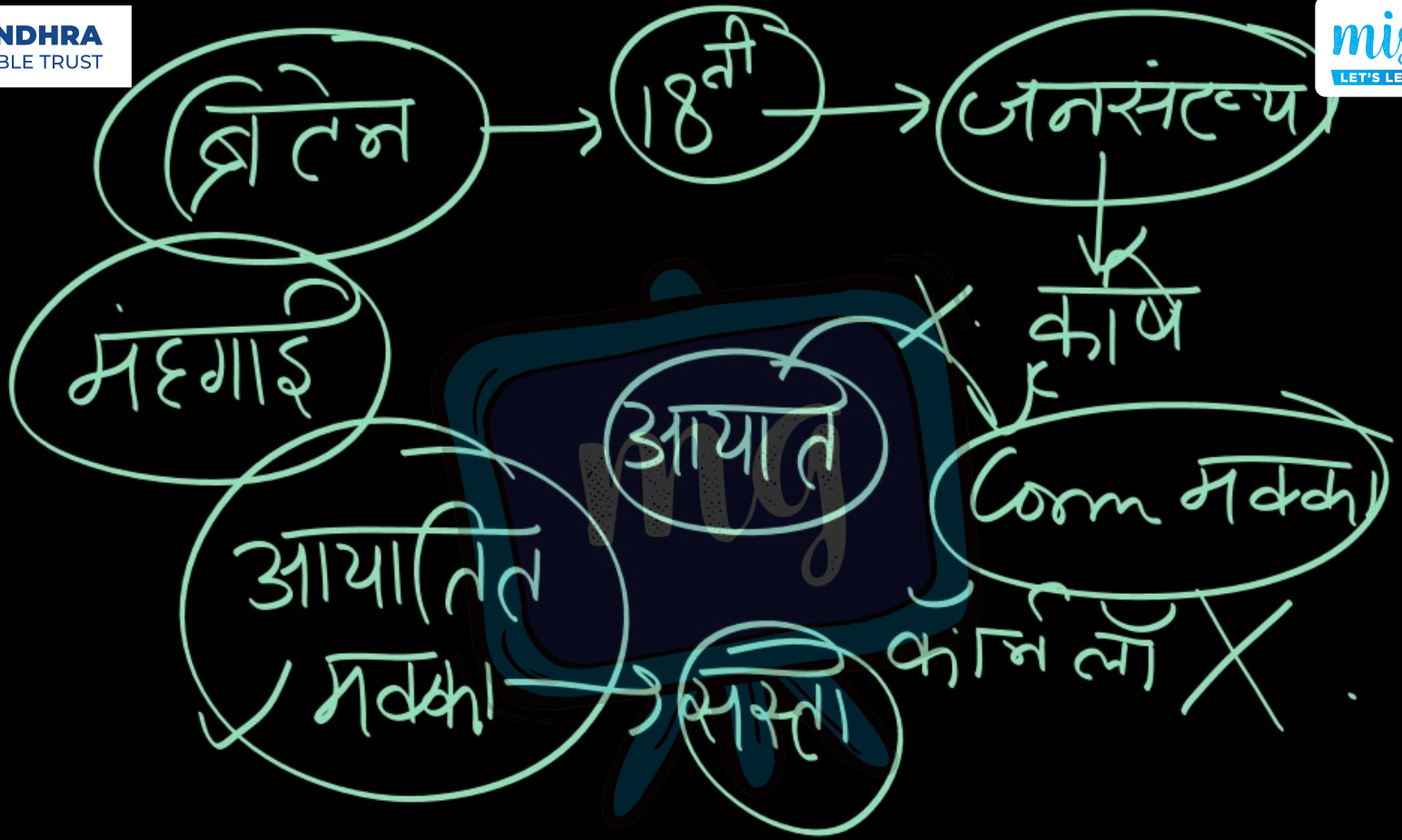

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

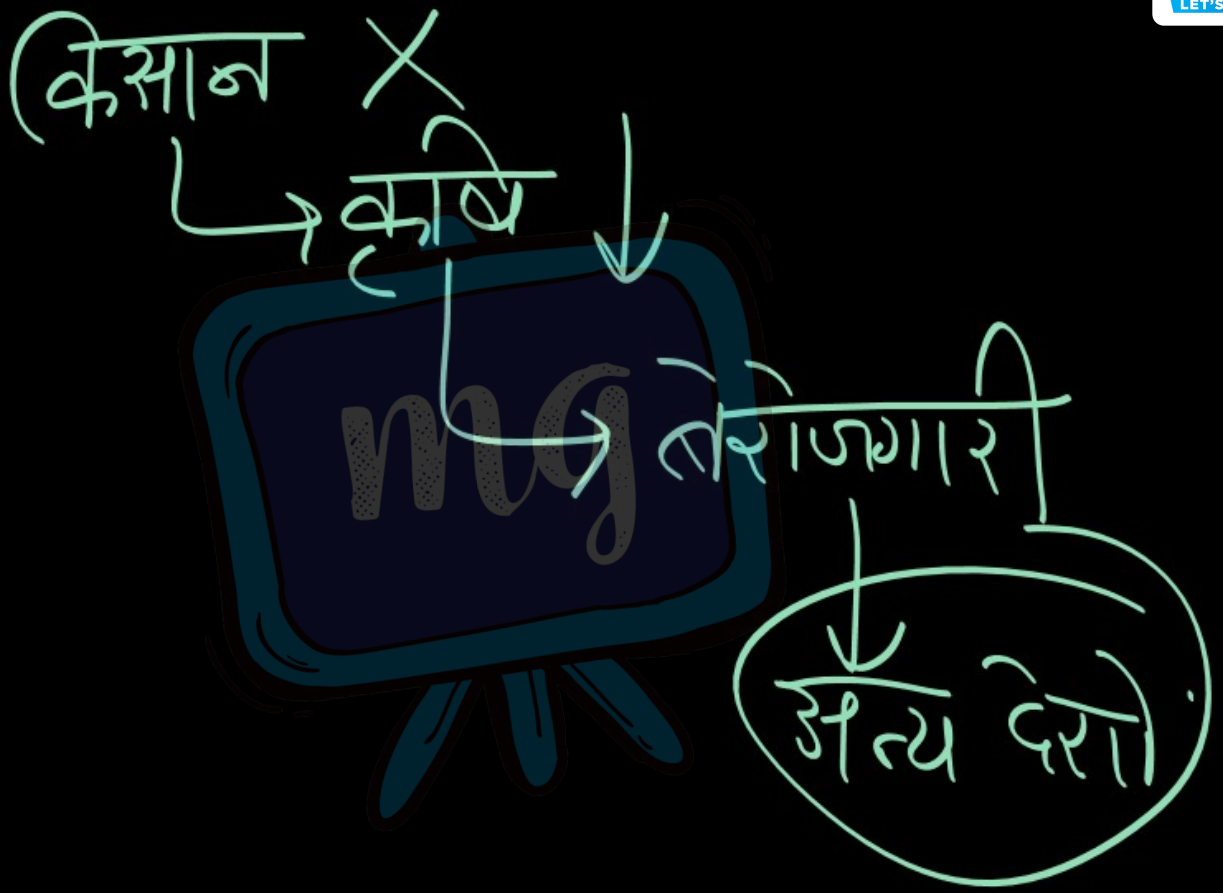

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक

- 19वीं सदी के मध्य में ब्रिटेन में औद्योगिक रूप से काफी प्रगति हुई जिससे लोगों की आय में वृद्धि हुई। इससे लोगों की जरूरतें बढ़ीं।
- खाद्य पदार्थों का आयात भी और ज्यादा बढ़ गया।
- तब रूस, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, पूर्वी यूरोप तथा दुनिया के हर हिस्से में ब्रिटेन का पेट भरने के लिए जमीनों को साफ करके खेती की जाने लगी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

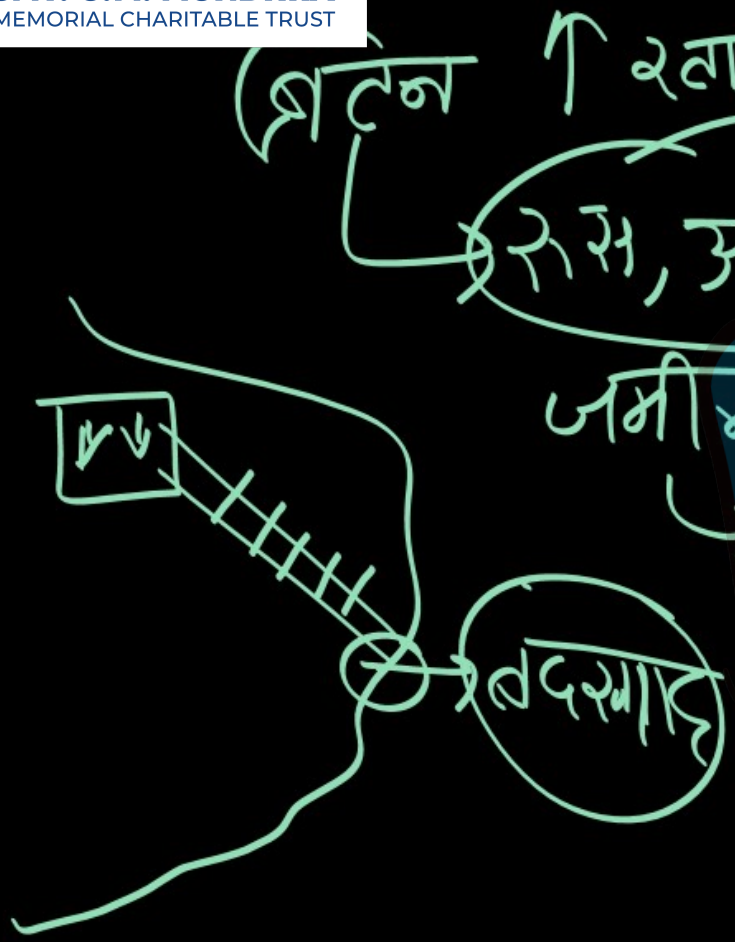

- खेती के लिए जमीन को साफ कर देना ही काफी नहीं था।
- खेती वाले इलाकों को बंदरगाहों से जोड़ने के लिए रेलवे की भी जरूरत थी।
- माल के ज्यादा आवागमन के लिए नई गोदियाँ बनाना तथा पुरानी गोदियों को फैलाना जरूरी था।
- नई जमीनों पर खेती करने के लिए दूसरे इलाकों से लोगों का आकर घर बनाना तथा फिर नई बस्तियाँ बनना भी जरूरी था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

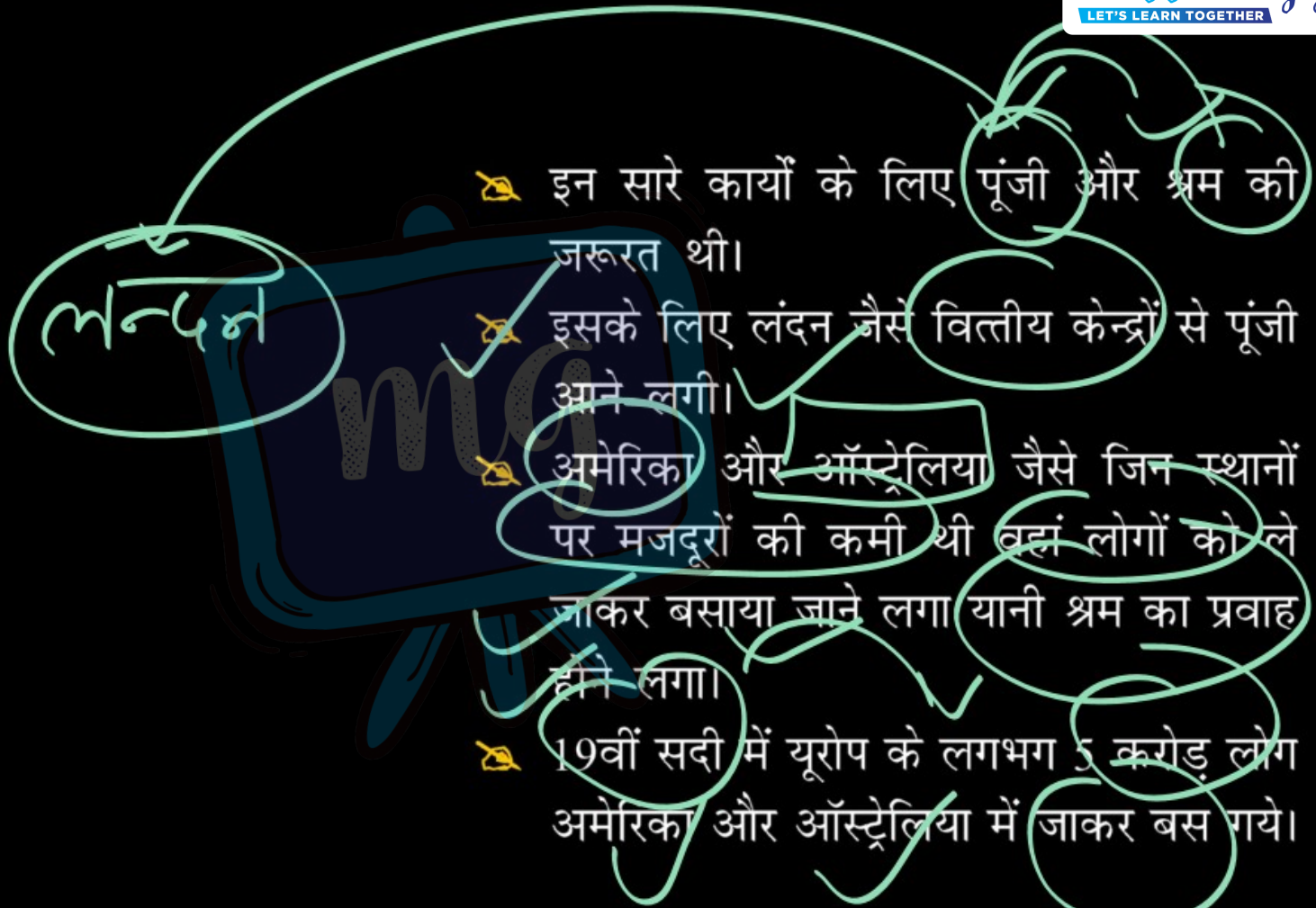

- इन सारे कार्यों के लिए पूंजी और श्रम की जरूरत थी।
- इसके लिए लंदन जैसे वित्तीय केन्द्रों से पूंजी आने लगी।
- अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे जिन स्थानों पर मजदूरों की कमी थी वहां लोगों को ले जाकर बसाया जाने लगा यानी श्रम का प्रवाह होने लगा।
- 19वीं सदी में यूरोप के लगभग 5 करोड़ लोग अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में जाकर बस गये।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- माना जाता है कि लगभग 15 करोड़ लोग बेहतर भविष्य की चाह में अपने घर-बार छोड़कर दूर-दूर के देशों में जाकर काम करने लगे थे।

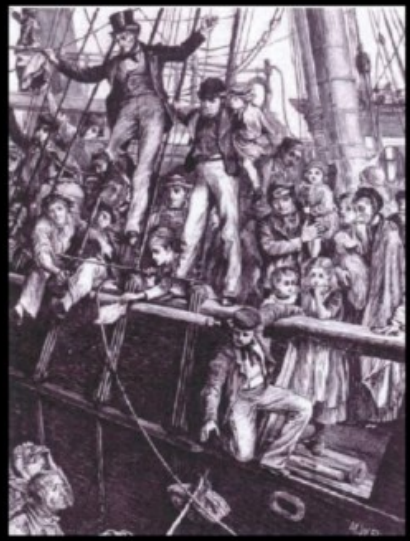

अमेरिका को रवाना होते आप्रवासियों से लदे जहाज का चित्र
एम. डब्ल्यू. रिडले-1869

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

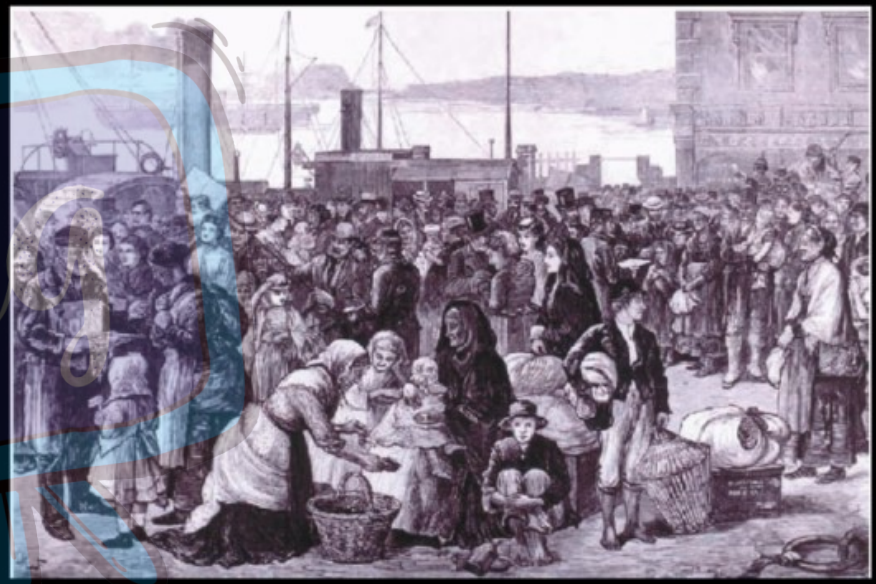

जहाज पर चढ़ने का इंतज़ार करते आयरिश आप्रवासियों का चित्र
माइकेल फिट्जजेराल्ड–1874

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

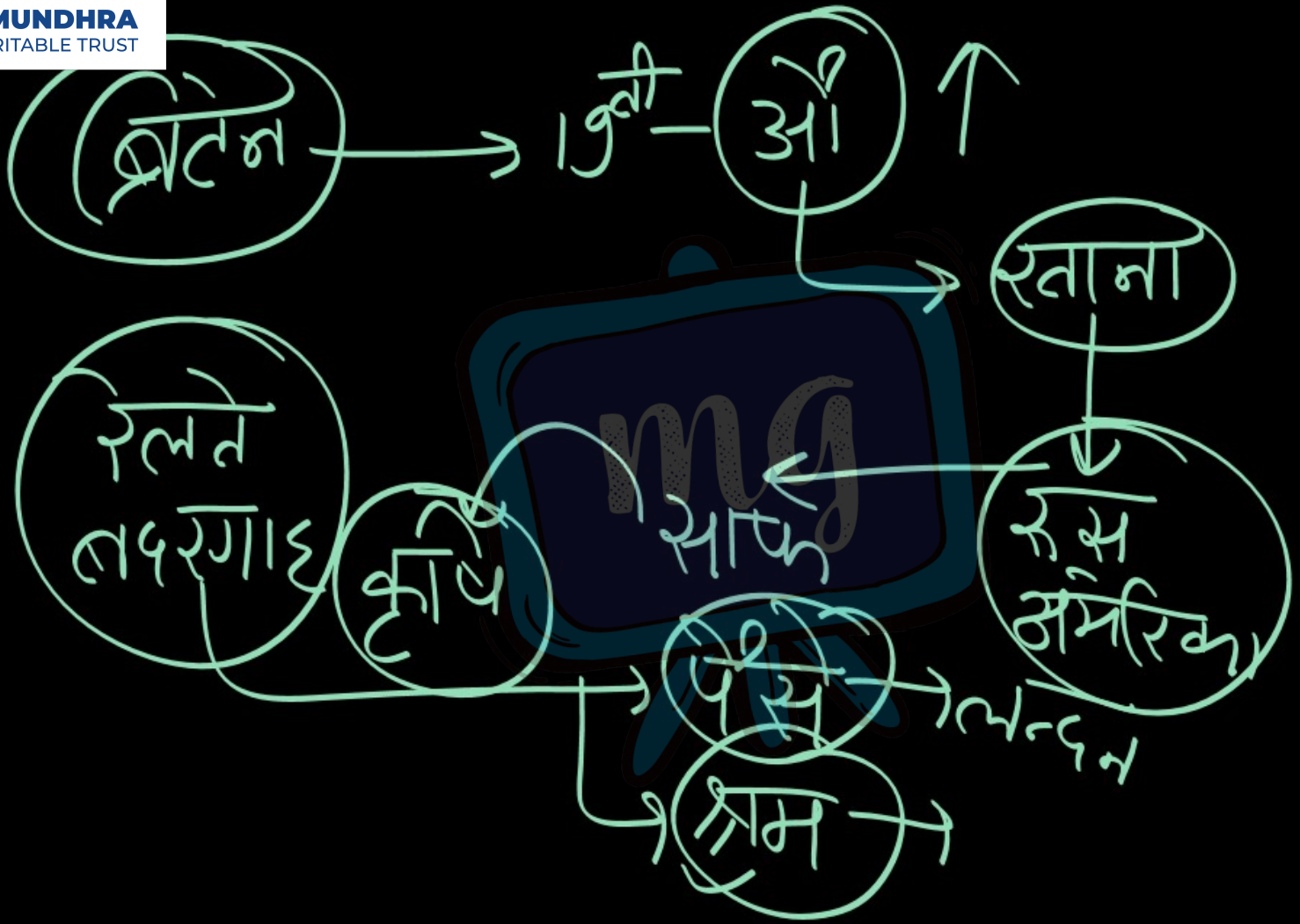

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था :-

- 1890 तक एक वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था सामने आ चुकी थी।
- अब श्रम, पूंजी, पारिस्थितिकी और तकनीक में काफी बदलाव आ चुके थे।
- अब भोजन किसी आसपास के गांव या कस्बे से नहीं बल्कि हजारों मील दूर से आने लगा था।
- अब अपने खेतों पर खुद काम करने वाले किसान ही खाद्य पदार्थ पैदा नहीं कर रहे थे।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

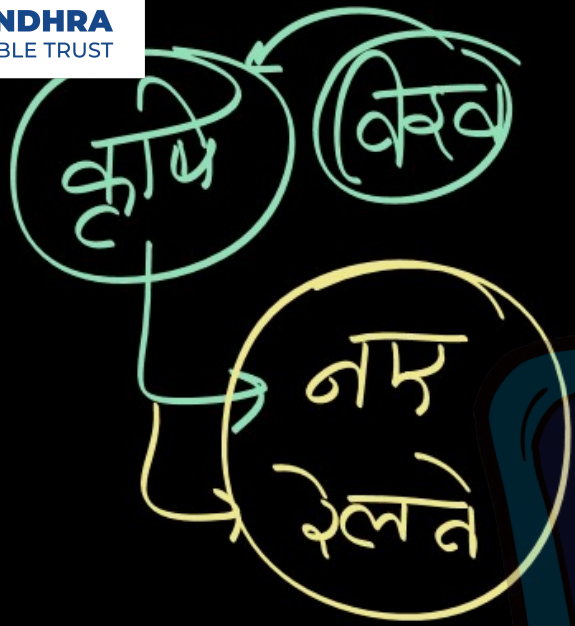

- यह काम अब औद्योगिक मजदूर करने लगे थे जो संभवत: हाल ही में वहां आये थे तथा वे उन खेतों में काम कर रहे थे जहां एक पीढ़ी पहले ही ठेठ जंगल खड़े थे।
- खाद्य पदार्थों को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए रेलवे का इस्तेमाल किया जाता था।
- रेल का नेटवर्क इसी काम के लिए बिछाया गया था।
- फिर एक देश से दूसरे देश में पहुंचाने के लिए पानी के जहाजों का प्रयोग किया जाता था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

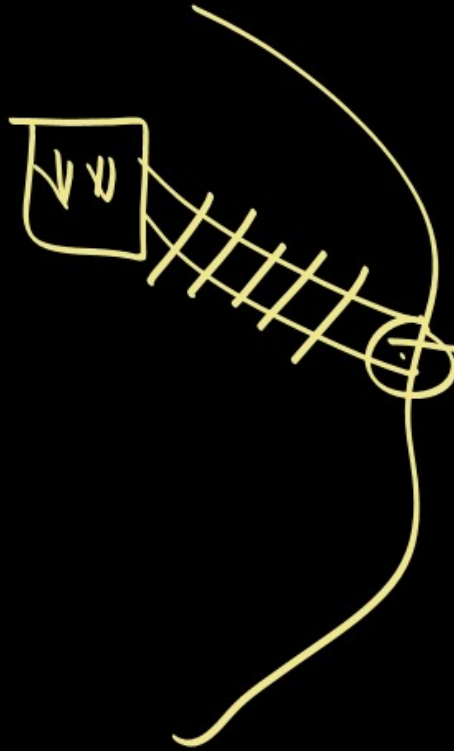

- इन जहाजों पर दक्षिण यूरोप, एशिया, अफ्रीका और कैरीबियन द्वीप समूह के मजदूरों से बहुत कम वेतन पर काम करवाया जाता था।
- बहुत छोटे स्तर पर ही सही यह प्रयोग पंजाब में भी करके बदलाव लाने की कोशिश की गई।
- यहां ब्रिटिश भारतीय सरकार ने अर्द्ध-रेगिस्तानी परती जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए नहरों का जाल बिछा दिया था।
- इसका मुख्य उद्देश्य निर्यात के लिए गेहूं और कपास की खेती करना था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

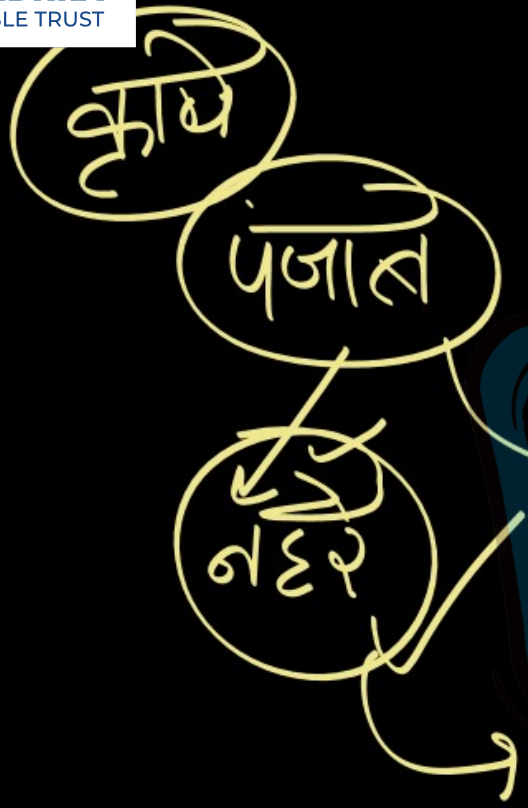

- नई नहरों के इस इलाकों में पंजाब के अन्य स्थानों के लोगों को यहां लाकर बसाया गया।
- उनकी बस्तियों को केनाल कॉलोनी (नहर-बस्ती) कहा जाता था।
- भोजन तो सिर्फ एक उदाहरण मात्र है। कुछ ऐसी ही कहानी कपास की भी रही है।
- कपास की भी दुनिया भर में बड़े पैमाने पर खेती की जाने लगी थी ताकि ब्रिटिश कपड़ा मिलों की मांग को पूरा किया जा सके।
- रबर की कहानी भी इससे अलग नहीं है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भिन्न-भिन्न इलाकों में भिन्न भिन्न चीजों के उत्पादन में इतनी महारत हासिल कर ली थी कि 1820-1914 के बीच विश्व व्यापार में 25 से 40 गुना वृद्धि हो चुकी थी।
- इस व्यापार में लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा 'प्राथमिक उत्पादों' यानि गेहूं और कपास जैसे कृषि उत्पादों तथा कोयले जैसे खनिज पदार्थों का था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. कॉर्न लॉ क्या था?

Q. वैश्विक कृषि अर्थव्यवस्था का उदय किस प्रकार हुआ?

Q. पंजाब में नहरों का जाल क्यों बिछाया गया?